स्वच्छ भारत
सम्पूर्ण स्वच्छता की ओर
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
जल शक्ति मंत्रालय
भारत सरकार
DEPARTMENT OF DRINKING WATER AND SANITATION
MINISTRY OF JAL SHAKTI
GOVERNMENT OF INDIA
Azadi Ka Amrit Mahotsav
G20

स्वच्छता समाचार

दिसंबर 2023

स्वच्छ भारत मिशन - ग्रामीण न्यूज़लेटर

@swachhbharat @SBMGramin @SwachhBharatMissionGramin @swachh_bharat @swachhbharatgrameen

"ठोस और तरल कचरे का सुरक्षित निपटान या प्रबंधन सतत स्वच्छता का एक अभिन्न अंग है, जिसके लिए भारत सरकार का प्रमुख कार्यक्रम स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण प्रयास करता है। कचरे को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करके, हम प्रदूषण के स्तर को कम कर सकते हैं, स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों को कम कर सकते हैं, और भविष्य की पीढ़ियों के लिए अपेक्षाकृत अधिक स्वच्छ और जीवनदायी वातावरण बना सकते हैं।"

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत
केंद्रीय मंत्री, जल शक्ति मंत्रालय

कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं

29 नवंबर 2023 तक

ODF+

भारत के 4,65,685 से अधिक गांवों ने स्वयं को ODF PLUS घोषित किया है।

- उदीयमान: **3,02,663**
- उज्ज्वल: **56,643**
- उत्कृष्ट: **1,06,379**

2,43,486 गांवों में ठोस कचरा प्रबंधन की व्यवस्था है
3,98,873 गांवों में तरल कचरा प्रबंधन की व्यवस्था है
देश भर में **70** संपीड़ित बायोगैस संयंत्र हैं
देश भर में **725** कार्यात्मक बायोगैस संयंत्र हैं
125 पूर्ण बायोगैस संयंत्र हैं
2,477 ब्लॉक प्लास्टिक कचरा प्रबंधन इकाइयों से कवर किए गए हैं।

स्वच्छता पखवाड़ा

वाणिज्य विभाग और नागर विमानन मंत्रालय द्वारा 1-15 नवंबर तक और डाक विभाग, दूरसंचार विभाग और खान मंत्रालय द्वारा 16-30 नवंबर 2023 तक स्वच्छता पखवाड़ा आयोजित किया गया।

वाणिज्य विभाग की गतिविधियों में मैंगलोर में क्षेत्रीय कार्यालय के रबड़ बोर्ड द्वारा प्लास्टिक के इस्तेमाल को समाप्त करने के बारे में, 'जागरूकता क्लास'; नई दिल्ली में जंतर-मंतर के आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान; मसाला बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालयों के विभिन्न कार्यालय परिसरों में स्वच्छता अभियान आयोजन किया गया।

नागर विमानन महानिदेशालय (DGCA) मुख्यालय, जिसमें हवाई यातायात नियंत्रण कार्यालय (ATCO) सीईओ, आर. के. पुरम और क्षेत्रीय/उप-क्षेत्रीय कार्यालय शामिल हैं, ने स्वच्छता के संबंध में एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और एक विचार-मंथन सत्र आयोजित किया।

डाक विभाग: भारतीय डाक के मुख्यालय में डाक सेवा बोर्ड के सदस्यों के नेतृत्व में डाक भवन के सभी कर्मचारी और वरिष्ठ अधिकारी प्रांगण में दीप प्रज्ज्वलन के लिए एकत्र हुए और उन्होंने स्वच्छता की शपथ ली। पखवाड़े के दौरान, विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनका उद्देश्य 'जन चेतना' और कचरा मुक्त भारत की दिशा में 'जन आंदोलन' का सृजन करना था।

विश्व शौचालय दिवस पर स्वच्छता में खामियों को दूर करने के लिए विशेष अभियान

19 नवंबर को दुनिया भर में मनाए जाने वाले विश्व शौचालय दिवस 2023 से पहले, राज्यों ने यह सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न गतिविधियां कीं कि सभी नए और वंचित परिवारों को 100 प्रतिशत स्वच्छता कवरेज सुनिश्चित करने के लिए अपने व्यक्तिगत घरेलू शौचालय मिलें और गांवों को ODF Plus उत्कृष्ट गांवों में बदलने के लिए ODF Plus गतिविधियों में तेजी लाई जा सके।

आगे बढ़कर नेतृत्व करते हुए, पश्चिम बंगाल के पुरुलिया के जिला मजिस्ट्रेट डॉ. रजत नंदा ने कुछ गांवों का दौरा किया और IHHL तक उनकी पहुंच और उपयोग के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए घर-घर गए। वह यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध थे कि सभी घरों में शौचालय हैं और निवासी उनका उपयोग कर रहे हैं।

इससे पहले, शौचालयों के अंतर मूल्यांकन, कवरेज और निर्माण के लिए एक विशेष अभियान चलाने के DDWS के निर्देश का पालन करते हुए, पुरुलिया के जिला प्रशासन ने IHHL के लिए आवेदन आमंत्रित किए और 3,400 से अधिक आवेदन प्राप्त किए। आवेदनों की जांच के बाद, लाभार्थियों को IHHL स्वीकृति पत्र जारी किए गए, जैसा कि पश्चिम बंगाल के विभिन्न अन्य जिलों जैसे दार्जिलिंग, पूर्व मिदनापुर, बीरभूम, हुगली, नादिया, बांकुरा, पूर्व बर्धमान और पुरुलिया में किया गया था।

राज्य में विश्व शौचालय दिवस को मनाने के लिए की गई अन्य गतिविधियों में SBM-G, IHHL शिविरों, नुक्कड़ नाटकों, रैलियों, ड्राइंग प्रतियोगिताओं, झांकियों और ठोस और तरल कचरा प्रबंधन (SLWM) से संबंधित अन्य जागरूकता कार्यक्रम शामिल थे।

अधिक पढ़ने के लिए, **यहाँ क्लिक करें**

संपर्क: dmpuruliawb@gmail.com

बिहार के सुपौल जिले में गोबरधन संयंत्र का उद्घाटन

स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण चरण-2 के एक भाग के रूप में गोबरधन योजना के तहत मधुबनी चित्रों से कलात्मक रूप से सजाए गए और निर्मित एक सामुदायिक बायोगैस संयंत्र, का बिहार के सुपौल जिले की अम्हा ग्राम पंचायत के वार्ड नं.1 में 12 अक्टूबर 2023 को वार्ड नं 12 में उद्घाटन किया गया।

ग्रामीण विकास विभाग मंत्री श्री श्रवण कुमार और बिहार सरकार के ऊर्जा विभाग मंत्री श्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने बायोगैस संयंत्र का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। दोनों मंत्रियों द्वारा लाभार्थियों को गैस स्टोव वितरित किए गए।

50 लाख रुपए की लागत से निर्मित गोबरधन संयंत्र की क्षमता 80 घन मीटर है। घरों से गाय का गोबर 0.50 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से खरीदा जाता है। गोबरधन योजना के तहत सामुदायिक बायोगैस परियोजना की स्थापना से क्षेत्र के किसानों को बहुत लाभ होने की उम्मीद है। उन्हें खेती के लिए जैविक उर्वरक और बायोगैस - एक स्वच्छ खाना पकाने का ईंधन प्राप्त होगा। यह पहल प्रत्यक्ष स्वच्छता में योगदान देगी और साथ ही उनके खेतों में यूरिया जैसे रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता को कम करेगी।

बायोगैस संयंत्र का निर्माण, परियोजना कार्यान्वयन एजेंसी, निदान द्वारा किया गया था, और अगले तीन वर्षों तक उनके द्वारा इसका संचालन और रखरखाव किया जाएगा।

अधिक पढ़ने के लिए, **यहाँ क्लिक करें**

संपर्क: anand.lsba@gmail.com

उत्तर प्रदेश में त्योहारों से पहले विशेष सफाई अभियान

उत्तर प्रदेश सरकार ने सभी जिलों को त्योहार के मौसम से पहले विशेष स्वच्छता अभियान चलाने का निर्देश दिया, जिनमें दिवाली, भाई दूज और छठ पूजा सहित अन्य समारोह शामिल थे।

इस संबंध में, उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने 5 नवंबर को सभी संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस की अध्यक्षता की और विशेष स्वच्छता अभियानों के लिए की गई तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने उन्हें ठोस योजनाएं बनाने और यह सुनिश्चित करने का निदेश दिया कि उनके विभाग ऐसे अभियान चलाएं जो क्षेत्रों को प्रदूषण मुक्त बनाएं और स्वच्छ और स्वस्थ समारोह में योगदान दें।

तदनुसार, दिवाली, भाई दूज और छठ पूजा से पहले जिलों में शुरू किए जाने वाले स्वच्छता अभियानों पर चर्चा करने के लिए पंचायती राज और मिशन निदेशक, SBM-G श्री राजकुमार द्वारा 6 नवंबर को सभी उप निदेशकों और जिला पंचायती राज अधिकारियों (DPRO) के साथ एक वर्चुअल बैठक को आयोजन किया गया।

इस अभियान के तहत शुरू की गई गतिविधियों में सभी गांवों में बड़े पैमाने पर स्वच्छता अभियान शुरू किया जाना; जलजनित रोगों को नियंत्रित करने के लिए लार्वा रोधी रसायनों और फॉगिंग का उपयोग किया जाना; नालियों की सफाई और झाड़ियों की छंटाई किया जाना शामिल थीं।

अधिक पढ़ने के लिए, **यहाँ क्लिक करें**

संपर्क: tuhinaroymitra@gmail.com

जम्मू एवं कश्मीर ने ग्रामीण क्षेत्रों में लंबे समय से इकट्ठे कचरे के प्रबंधन के लिए SOP तैयार की

ग्रामीण स्वच्छता निदेशालय, ग्रामीण विकास और पंचायती राज विभाग, जम्मू एवं कश्मीर सरकार ने 2 अक्टूबर 2023 को ग्रामीण क्षेत्रों में लंबे समय से इकट्ठे कचरे के प्रबंधन के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) जारी की। ये दिशानिर्देश एक रोडमैप के रूप में काम करेंगे, जो स्थानीय अधिकारियों, समुदायों और संगठनों को एक स्वच्छ और पर्यावरणीय रूप से जिम्मेदार भविष्य की दिशा में सामूहिक रूप से काम करने के लिए एक स्पष्ट दिशा प्रदान करेंगे।

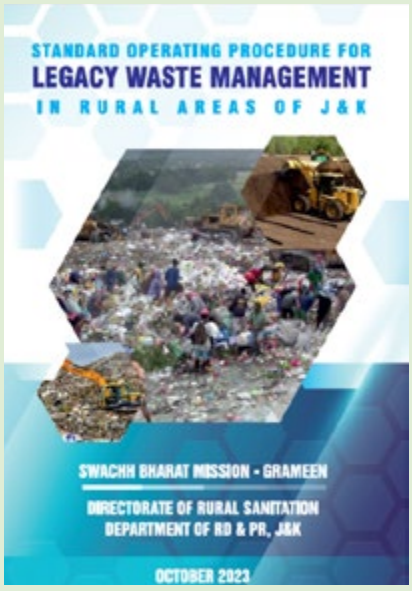

यह पुस्तक लंबे समय से इकट्ठे हो रहे कचरे के प्रबंधन के लिए जम्मू एवं कश्मीर की रणनीति को रेखांकित करती है और ऐसे अनुकरणीय मॉडल और समुदाय-संचालित पहलों को प्रदर्शित करती है जो इस संघ राज्य क्षेत्र के लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण होंगे।

ग्रामीण और शहरी दोनों ही क्षेत्र लंबे समय से इकट्ठे हो रहे कचरे की समस्या से जूझ रहे हैं। यह खतरनाक सामग्री और प्रदूषकों से युक्त कचरा है जो दशकों से जमा हुआ है। यह महत्वपूर्ण पर्यावरणीय और स्वास्थ्य जोखिम उत्पन्न कर रहा है। यह राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की जिम्मेदारी है कि वे सभी के लिए एक स्वच्छ और स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित करने के लिए इस समस्या से निपटें।

लंबे समय से इकट्ठे हो रहे कचरा प्रबंधन पुस्तक से संबंधित SOP कानूनी प्रावधानों, काफी समय से जमा कचरे से छुटकारा दिलाने, इसका उपयोग और निपटान की प्रक्रिया; पूर्ण सचित्र प्रतिनिधित्व के साथ इसके प्रबंधन के लिए आवश्यक उपकरण, मशीनरी और जनशक्ति, को सूचीबद्ध करती है।

अधिक पढ़ने के लिए, **यहाँ क्लिक करें**

संपर्क: drsjk47@gmail.com

पंजाब का पहला ODF Plus जिला है बरनाला

एक उल्लेखनीय उपलब्धि में, पंजाब के बरनाला जिले की सभी 122 ग्राम पंचायतों ने 18 अक्टूबर 2023 को स्वयं को खुले में शौच मुक्त, ODF-Plus घोषित किया, जिससे यह जिला स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) चरण II के दिशानिर्देशों के अनुसार उदीयमान श्रेणी में पहुंच गया।

यह जिला ODF Plus की उपलब्धि हासिल करने वाला राज्य का पहला जिला है, जो यह दर्शाता है कि प्रत्यक्ष स्वच्छता लाने के लिए स्वच्छता बढ़ाने और ठोस और तरल कचरा प्रबंधन के कार्यान्वयन में काफी प्रगति हुई है।

इस अवसर पर बरनाला की उपायुक्त (DC) पूनमदीप कौर ने कहा, "यह सम्मान पूरे समुदाय के समर्पण और कड़ी मेहनत का प्रमाण है। हमें एक अपेक्षाकृत अधिक स्वच्छ, स्वस्थ और अधिक टिकाऊ बरनाला की दिशा में की गई प्रगति पर गर्व है।

उन्होंने यह भी कहा कि ODF Plus का दर्जा भविष्य में स्वच्छता और सफाई के उच्चतम मानकों को बनाए रखने की दिशा में काम करना जारी रखने के लिए जिला बरनाला की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उपायुक्त ने कहा, "यह उपलब्धि निस्संदेह यहां के निवासियों के लिए जीवन की बेहतर गुणवत्ता का नेतृत्व करेगी, जिले के समग्र विकास में योगदान देगी।

ODF Plus घोषित होने के लिए बरनाला की यात्रा जिला प्रशासन, जल आपूर्ति और स्वच्छता विभाग, ग्रामीण विकास और पंचायत विभाग के समर्पित प्रयासों का परिणाम थी, जिसमें इसके निवासियों की सक्रिय भागीदारी रही।

अधिक पढ़ने के लिए, **यहाँ क्लिक करें**

संपर्क: cds.sanitation7@gmail.com

उत्तराखंड की धनौला ग्राम पंचायत में हर महीने 6 टन कचरे का पुनर्चक्रण

उत्तराखंड के देहरादून जिले में धनौला ग्राम पंचायत (GP) (रायपुर ब्लॉक) में एक प्लास्टिक कचरा प्रबंधन इकाई (PWMU) का निर्माण पूरा होने के बाद, इस इकाई से हर महीने रीसाइक्लिंग के लिए लगभग छह टन प्लास्टिक कचरा उपलब्ध कराया जाता है।

वेस्ट वॉरियर्स सोसाइटी द्वारा संचालित PWMU का निर्माण पंचायती राज विभाग के सहयोग से स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण (SBM-G) के तहत किया गया था। कचरे को इकट्ठा करने, छांटने और रीसाइकल करने वाली इकाई रायपुर ब्लॉक में 35 ग्राम पंचायतों (6 राजस्व गांवों) और धनौला तथा सहस्रधारा के स्थानीय बाजार की भी पूर्ति करती है।

सहस्रधारा एक लोकप्रिय पर्यटक आकर्षण केंद्र है जो अपने झरनों, गुफाओं और जल प्रपातों के लिए जाना जाता है। सहस्रधारा और इसके आसपास की 6 ग्राम पंचायतों (धनौला, बंदावली, करलीगार्ड, खैरिमान सिंह, अस्थल, थेवा मालदेवता) में पर्यटकों की भारी भीड़ के कारण, भारी मात्रा में प्लास्टिक कचरा निकलता है।

इसके समाधान के लिए स्थापित PWMU में SBM-G के तहत स्वजल द्वारा निर्मित एक पृथक्करण/कॉम्पैक्टर शेड है, जबकि सभी 35 ग्राम पंचायतों में कॉम्पैक्टर मशीन, O&M की स्थापना और ब्लॉक की प्राथमिक प्लास्टिक संग्रह इकाइयों की स्थापना पंचायती राज विभाग द्वारा की गई थी।

अधिक पढ़ने के लिए, **यहाँ क्लिक करें**

संपर्क: pmu_uttaranchal@rediffmail.com

केरल में गंदला जल प्रबंधन कार्यान्वयन पर प्रशिक्षण

स्थल पर ही विशिष्ट प्रौद्योगिकी विकल्प चयन, कम लागत वाले स्थायी समाधानों को डिजाइन करने और प्रणालियों की स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करने के साथ-साथ तरल कचरा प्रबंधन इंटरवेंशनों की आयोजना और कार्यान्वयन के लिए इंजीनियरों की समझ को बढ़ाने के लिए, केरल में SBM-G II के तहत गंदला जल प्रबंधन (GWM) पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

यूनिसेफ इंडिया की सहायता से प्रिमूव इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम 29 और 30 सितंबर 2023 को तिरुवनंतपुरम, केरल में आयोजित किया गया था। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 14 जिलों के 61 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

अपने गांवों के विशाल आकार के कारण, केरल में ग्रामीण स्तर पर यह एक सुपरिभाषित संस्थागत व्यवस्था है। स्थानीय स्वशासन विभाग (LSGD) में ग्रामीण स्तर पर इंजीनियर होते हैं जो सड़क, जल निकासी, प्रकाश व्यवस्था आदि जैसे सभी बुनियादी ढांचे के विकास के लिए उत्तरदायी हैं। आगामी अपशिष्ट जल प्रबंधन परियोजनाओं को भी इन इंजीनियरों द्वारा शुरू करने की आवश्यकता है और इसलिए उन इंजीनियरों की क्षमता निर्माण महत्वपूर्ण है।

अधिक पढ़ने के लिए, **यहाँ क्लिक करें**

संपर्क: akhilesh@washinstitute.org

दक्षिण कन्नड़ की गोबरधन इकाई कई लाभ प्रदान करती है

कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले के कडबा तालुक की सुब्रमण्य ग्राम पंचायत (GP) में सुब्रमण्य श्री सम्पुता नरसिम्हा स्वामी मठ की गोशाला में 60 घन मीटर क्षमता वाली एक गोबरधन इकाई का निर्माण किया गया है। इस संयंत्र से प्रत्येक वर्ष 9.82 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त होने का अनुमान है।

सुब्रमण्यम श्री सम्पुता नरसिम्हा स्वामी मठ गोशाला में वर्तमान में 187 गाय और बछड़े हैं और प्रत्येक दिन पशु आश्रय से उत्पन्न कचरा लगभग 651 किलोग्राम है। इसमें किचन और डाइनिंग हॉल से करीब 255 किलो फूड वेस्ट और फूलों का कचरे होते हैं, जिससे इसका वजन कुल 906 किलो हो जाता है।

बायोगैस संयंत्र का निर्माण 18.95 लाख रुपये की लागत से किया गया था, जिसमें विद्युतीकरण, स्लरी पंप, स्क्रबर, गोबर मिक्सर, बर्नर और अन्य खर्च शामिल हैं।

यह न केवल संस्थान के कचरा प्रबंधन और ऊर्जा आवश्यकताओं का समाधान करता है, बल्कि स्थानीय समुदायों को भी सशक्त बनाता है और ग्रामीण रोजगार का सृजन करता है, क्षेत्र के समग्र कल्याण और विकास में योगदान देता है।

यह इकाई प्रतिदिन 2000 लीटर बायो-स्लरी का उत्पादन करती है, जिसका उपयोग कृषि के लिए जैविक उर्वरक के रूप में किया जाता है। पोषक तत्वों से भरपूर खाद टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल कृषि प्रथाओं को बढ़ावा देती है। इसके अलावा, यह पारंपरिक गैस सिलेंडर पर निर्भरता को कम करता है जो कहीं अधिक महंगे हैं। गाय के गोबर का उपयोग उन गांवों को दृष्टिगत रूप से स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ बनाने में योगदान देता है।

अधिक पढ़ने के लिए, **यहाँ क्लिक करें**

संपर्क: wsrdpr@gmail.com

असम के कार्बी आंगलोंग जिले में स्वच्छ पूजा, हरित पूजा अभियान

अक्टूबर 2023 के पहले सप्ताह में देश भर में मनाए जाने वाले दुर्गा पूजा के आयोजकों को प्रोत्साहित करने के लिए, असम के कार्बी आंगलोंग जिले ने स्वच्छ पूजा, हरित पूजा अभियान के कार्यान्वयन के साथ पर्यावरण के अनुकूल और खतरे से मुक्त वातावरण बनाए रखने के लिए अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया।

त्योहार से पहले, जिले के लोक स्वास्थ्य और इंजीनियरिंग विभाग (PHED) ने उपायुक्त कार्यालय और मजिस्ट्रेट के कार्यालय के समन्वय से पूजा समितियों के साथ एक बैठक की, उन्हें यह सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित किया कि लोग स्वच्छ और हरित पूजा का त्यौहार मनाएं।

15 सितंबर से 2 अक्टूबर तक आयोजित स्वच्छता ही सेवा के दौरान, उन्होंने स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए बैनर और पत्रक वितरित किए। एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक पर प्रतिबंध को प्रोत्साहित किया गया था, जबकि देर रात और सुबह लाउडस्पीकर पर घोषणाओं की अनुमति बंद कर दी गई। इसके अलावा, पूजा समितियों को कचरा प्रबंधन की सख्ती से निगरानी करने और हर पूजा पंडाल में कूड़ेदान स्थापित करने का काम सौंपा गया था।

अधिक पढ़ने के लिए, **यहाँ क्लिक करें**

संपर्क: josnalyn@gmail.com

राज्य के झरोखों से

श्री नागेन्द्र प्रसाद के.
मिशन निदेशक, ग्रामीण पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
कर्नाटक सरकार

कर्नाटक वाश के तहत कार्यनीतिक विषयों का समाधान करता है

कर्नाटक ने अपनी जल, स्वच्छता और स्वच्छता (WASH) पहलों में, सतत् जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण और महिलान्मुखी समानता को एकीकृत करते हुए स्थिरता और जवाबदेही जैसे कार्यनीतिक विषयों को शामिल करने का प्रयास किया है।

हाल ही में 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के दौरान हमारे ODF Plus राज्य ने भोजन की बर्बादी को रोकने की आवश्यकता के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 'नो फूड वेस्ट डे हस्ताक्षर अभियान' का आयोजन किया। ऐतिहासिक स्थलों और समुद्र तट की सफाई एक अन्य महत्वपूर्ण गतिविधि थी। इसने पारंपरिक जल निकायों को पुनर्जीवित करने के लिए रामनगर, गडग, मांड्या और कोलार जिलों में वृक्षारोपण और 52 कल्याणियों की सफाई का भी आयोजन किया। जवाबदेही के संबंध में, ग्रामीण लोगों की जल और स्वच्छता से संबंधित शिकायतों को समय पर दूर करने के लिए एक शिकायत निवारण प्रणाली स्थापित की गई है।

जबकि ठोस और तरल कचरा प्रबंधन (SLWM) के तहत वैज्ञानिक तरीके से अपशिष्ट पदार्थों के संग्रह, ढुलाई, प्रसंस्करण, रीसाइक्लिंग, उपचार और निपटान की प्रक्रियाओं ने नई आजीविकाओं का निर्माण किया है, सोखने वाले गड्ढों/स्थल पर ही (Inline) उपचार और अपशिष्ट स्थिरीकरण तालाबों द्वारा गंदला जल प्रबंधन (GWM) का राज्यव्यापी कवरेज दूषित पानी को सीधे जल निकायों में प्रवेश करने से रोकने के लिए एक और महत्वपूर्ण कार्रवाई है।

स्वच्छता गतिविधियों में सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने वाला स्वच्छ शनिवाड़ा (स्वच्छ शनिवार) हर महीने के पहले शनिवार को मनाया जाता है, जब ग्रामीण समुदाय श्रमदान करके अपने स्थानों को साफ करते हैं। यह पहल गांवों को दृष्टिगत रूप से स्वच्छ बनाने और कचरा प्रबंधन को टिकाऊ बनाने के दृष्टिकोण का उपयोग करने के उद्देश्य से स्वच्छता और सुरक्षित स्वच्छता प्रथाओं के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देती है। MRF सुविधा ने एक चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए SHG महिलाओं को शामिल करते हुए SWM में एक व्यवसाय मॉडल बनाया है, इस प्रकार ठोस कचरे से हो सकने वाले नुकसानों को रोका गया। कर्नाटक समुदायों को शामिल करते हुए SLWM प्रणालियों की स्थिरता की दिशा में काम करने और स्वच्छ पर्यावरण के लिए व्यवहार परिवर्तन लाने का प्रयासरत है।

राज्य के दौरे

गुजरात:

DDWS की सचिव श्रीमती विनी महाजन ने ग्रामीण गुजरात में ODF Plus उपलब्धियों का आकलन करने के लिए वडोदरा जिले में सावली और दुमाड ग्राम पंचायतों का दौरा किया। उन्होंने स्थानीय समुदाय के साथ बातचीत की और DEWATS गंदला जल प्रबंधन प्रणाली, वर्मी कम्पोस्ट इकाइयों के साथ पृथक्करण शेड और गांव की सामग्री वसूली सुविधा का दौरा किया। उनके साथ राज्य के DDO श्रीमती ममता हिरपारा और SBM-G की सहायक आयुक्त श्रीमती नीलोफर शेख भी थीं।

केरल:

श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक ने राज्य की ODF PLUS प्रगति की समीक्षा करने के लिए 6 और 7 नवंबर को केरल का दौरा किया। उन्होंने कराकुलम पंचायत में सामुदायिक स्वच्छता परिसर 'टेक ए ब्रेक' और तिरुवनंतपुरम जिले के नेदुमंगद ब्लॉक पंचायत में एक प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन इकाई का दौरा किया।

झारखंड:

संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक, श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव ने 16 और 17 नवंबर को विकसित भारत संकल्प यात्रा को हरी झंडी दिखाने के लिए झारखंड के गढ़वा जिले का दौरा किया। इस यात्रा का उद्देश्य लोगों तक पहुंचने और भारत सरकार की जल और स्वच्छता सहित विभिन्न अन्य कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने पर था। IEC वैन को राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर पर प्रमुख योजनाओं, मुख्य बातें (Highlights) और उनकी उपलब्धियों को प्रदर्शित करने वाली हिंदी और राज्य की भाषाओं में ऑडियो विजुअल्स, ब्रोशर, पैम्फलेट, पुस्तिकाओं और फ्लैगशिप स्टैंडियों के माध्यम से जानकारी के प्रसार को सक्षम करने के लिए ब्रांडेड और उन्हें विशेष रूप से निर्मित (Customised) किया गया था।

Word Search

A	I	B	Q	O	W	U	A	U	H	Y	Z	H	S	I
N	S	E	L	B	A	D	A	R	G	E	D	O	I	B
Y	O	P	C	W	J	L	D	I	T	B	W	B	P	F
R	I	I	I	S	D	P	F	R	S	M	O	T	G	R
N	U	C	T	R	Y	R	B	I	O	G	A	S	X	C
Q	A	H	L	A	I	O	A	S	P	B	Q	V	I	N
W	K	B	D	V	G	N	X	I	M	G	P	N	Y	A
C	J	C	P	M	D	E	G	N	O	X	A	K	W	H
Y	Z	Q	O	U	D	Z	R	G	C	G	M	X	I	D
B	C	D	I	J	S	D	R	G	R	N	D	N	M	R
R	E	T	R	O	F	I	T	O	E	L	W	G	L	A
L	M	S	W	W	A	F	C	G	G	S	R	Q	N	B
C	E	X	T	E	E	T	K	F	H	D	J	J	M	O
Y	T	I	L	I	B	A	N	I	A	T	S	U	S	G
O	Q	E	G	Z	G	K	F	Y	O	P	F	H	L	Q

ODF Plus

1. Aspiring
2. Biodegradable
3. Biogas
4. Compost
5. GOBARdhan
6. Model
7. Organic
8. Retrofit
9. Rising
10. Segregation
11. SUP ban
12. Sustainability

Answers

A	I	B	Q	O	W	U	A	U	H	Y	Z	H	S	I
N	S	E	L	B	A	D	A	R	G	E	D	O	I	B
Y	O	P	C	W	J	L	D	I	T	B	W	B	P	F
R	I	I	I	S	D	P	F	R	S	M	O	T	G	R
N	U	C	T	R	Y	R	B	I	O	G	A	S	X	C
Q	A	H	L	A	I	O	A	S	P	B	Q	V	I	N
W	K	B	D	V	G	N	X	I	M	G	P	N	Y	A
C	J	C	P	M	D	E	G	N	O	X	A	K	W	H
Y	Z	Q	O	U	D	Z	R	G	C	G	M	X	I	D
B	C	D	I	J	S	D	R	G	R	N	D	N	M	R
R	E	T	R	O	F	I	T	O	E	L	W	G	L	A
L	M	S	W	W	A	F	C	G	G	S	R	Q	N	B
C	E	X	T	E	E	T	K	F	H	D	J	J	M	O
Y	T	I	L	I	B	A	N	I	A	T	S	U	S	G
O	Q	E	G	Z	G	K	F	Y	O	P	F	H	L	Q

सचिव की कलम से

श्रीमती विनी महाजन
सचिव, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग,
जल शक्ति मंत्रालय

विश्व शौचालय दिवस 2023 का विषय 'परिवर्तन की गति में तेजी लाना' था। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण यही तो कर रहा है - स्वच्छता, स्वास्थ्य, आजीविका और कमजोर समूहों, विशेष रूप से महिलाओं की स्थिति में सुधार लाने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है। मैं, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से आह्वान करती हूं कि वे इस गति में और तेजी लाएं और हमारे गांवों को ODF Plus उत्कृष्ट बनाने के लिए स्थायी प्रणालियां स्थापित करने की दिशा में दृढ़ संकल्प के साथ काम करें। हम SDG 6 के स्वच्छता लक्ष्य - 2030 तक सभी के लिए सुरक्षित शौचालय और पानी - को समय से पहले पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मिशन निदेशक की कलम से

श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव
संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक
(SBM-G) पेयजल एवं
स्वच्छता विभाग जल शक्ति मंत्रालय

ऐसे समय में जब हमारे 80 प्रतिशत से अधिक गांवों ने स्वयं को ODF Plus घोषित कर दिया है, हमें सभी वाश कार्यक्रमों को स्थायी और जलवायु परिवर्तन के अनुकूल बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को नए संकल्प के साथ दोहराने की आवश्यकता है। 'टेक-मेक-डिस्पोज' मॉडल को छोड़कर ऊपर से नीचे तक अर्थात सर्वत्र कचरा साफ करने सहित स्थायी विकल्पों को अपनाने की महती आवश्यकता है, जो टिकाऊ सामग्री प्रबंधन की कुंजी के रूप में कचरे को कम करने, इसका पुन: उपयोग करने, इसकी रीसाइक्लिंग और खाद बनाने पर जोर देता है।

स्वच्छता समाचार के अगले अंक में योगदान करने के लिए, हर महीने की 15 तारीख से पहले **swachhbharat@gov.in** अपनी प्रस्तुति साझा करें।

सत्यमेव जयते
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
जल शक्ति मंत्रालय
भारत सरकार
DEPARTMENT OF DRINKING WATER AND SANITATION
MINISTRY OF JAL SHAKTI
GOVERNMENT OF INDIA

विशेष सचिव का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय
भारत सरकार।

चौथी मंजिल, पंडित दीनदयाल अंत्योदय भवन, CGO कॉम्प्लेक्स,
लोधी रोड, नई दिल्ली–110003
फोन: 011–24362192 | ईमेल: arun.baroka@nic.in